अध्याय 6

तालों और बंदिशों का स्वरलिपि लेखन

ताल – दादरा (मात्रा 6, भाग–2)

संगीत में यह ताल ''सुगम संगीत'' तथा ''दादरा'' गायन शैली के साथ बजायी जाने वाली एवं एक अत्यंत प्रचलित ताल है। यह ताल तबले के अलावा ढोलक तथा ''नाल'' पर भी बजायी जाती है।

मात्रा	1	2	3	4	5	6
बोल	धा	धिं	ना	धा	तिं	ना
ताली	x			0		

दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6
बोल	धाधिं	नाधा	तिंना	धाधिं	नाधा	तिंना
ताली	x			0		

ताल – कहरवा (मात्रा 8, भाग 2)

यह लोक प्रचलित ताल है। लोक संगीत से लेकर सुगम संगीत, भक्ति संगीत, फिल्मी संगीत सभी तरह के गीत और भजन में प्रयुक्त होती है। ''ठुमरी'' के अन्त में पंजाबी ताल के साथ ''कहरवा'' की लग्गी बजायी जाती है।

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धा	गे	ना	ति	न	क	धि	न
ताली	x				0			

दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धागे	नाति	नक	धिन	धागे	नाति	नक	धिन
ताली	x				0			

ताल – एकताल (मात्रा 12, भाग–6)

गायन में यह ताल छोटा ख्याल, बड़ा ख्याल के साथ द्रुत, मध्य तथा विलम्बित तीनों लयों में बजायी जाती है। इसका वादन तबले पर होता है।

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल	धीं	धीं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धी	ना
ताली	x		0		2		0		3		4	

दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6
बोल	धींधीं	धागे तिरकिट	तुना	कता	धागे तिरकिट	धींना
ताली	x		0		2	

मात्रा	7	8	9	10	11	12
बोल	धींधीं	धागे तिरकिट	तुना	कता	धागे तिरकिट	धींना
ताली	0		3		4	

ताल – त्रिताल (मात्रा 16, भाग–6)

गायन संगीत में छोटा ख्याल अथवा द्रुत ख्याल तथा बड़ा ख्याल अथवा विलम्बित ख्याल में इस ताल का प्रयोग किया जाता है।

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	धिं	धिं	धा	धा	धि	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
ताली	x				2				0				3			

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धातीं	तिंता	ताधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धातीं	तिंता	ताधिं	धिंधा
ताली	x				2				0				3			

चौताल – (मात्रा 12, भाग–6)

यह खुले बोल की ताल है जो पखावज पर बजायी जाती है। गायन में यह ताल ''ध्रुपद'' गायन शैली के साथ बजायी जाती है। इसकी प्रकृति गंभीर होती है।

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल	धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
ताली	x		0		2		0		3		4	

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिट कत	गदि गन	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिट कत	गदि गन
ताली	x		0		2		0		3		4	

न नादेन विना गीतं न नादेन विना स्वरः।
न नादेन विना वृत्तं तस्मान्नादात्मकं जगत।।

न नाद के बिना गीत है, न नाद के बिन स्वर है, न नाद के बिना नृत्य है, यह समस्त जगत ही नादात्मक है।

बंदिशों की स्वरलिपि

राग – यमन – त्रिताल (मध्य लय)

सरगम – गीत

स्थायी

नि	ध	प	म॑	ग	रे	ग	म॑	नि	ध	म॑	s	प	म॑	ग	रे
0				3				x				2			
ग	म॑	प	म॑	ग	रे	सा	नि़	ध़	नि़	s	म़	s	ध़	नि़	रे
0				3				x				2			
ग	रे	ग	म॑	प	ध	नि	ध	प	म॑	ग	म॑	ग	रे	सा	s
0				3				x				2			

अन्तरा

नि़	रे	ग	नि़	रे	ग	म॑	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म॑	ग
x				2				0				3			
रे	ग	म॑	प	ध	नि	रें	s	ध	s	गं	रें	s	ध	रें	s
x				2				0				3			
सां	नि	ध	प	म॑	प	नि	ध	प	म॑	ग	म॑	ग	रे	सा	नि
x				2				0				3			
ध़	नि़	s	म॑	s	ध़	नि़	रे	ग	रे	ग	म॑	प	ध	नि	ध
x				2				0				3	x		
प	म॑	ग	म॑	ग	रे	सा	s								
x				2											

उ. बड़े गुलाम अली खां
पटियाला घराने के आधार स्तंभ

पं.डी.वी.पलुस्कर
ग्वालियर घराना

राग – यमन – एक ताल (मध्य लय)
लक्षण गीत – स्थायी

प			ध	ध		म		म॑	ग		
सां	सां	नि	नि	म॑	प	प	प	म॑	ग	–	ग
स	ब	गु	नि	ज	न	इ	म	न	गा	s	त
x		0		2		0		3		4	
म॑											
ग	–	ग	रे	ग	प	रे	ग	रे	ऩि	रे	सा
ती	s	व	र	सु	र	क	र	त	सा	s	ध
x		0		2		0		3		4	
सा	सा	रे	रे	ग	ग	म॑	म॑	प	प	ध	ध
x		0		2		0		3		4	
नि	नि	रें	रें	गं	रें	सां	रे	सां	नि	ध	प
x		0		2		0		3		4	

अन्तरा

म॑						प					
प	ग	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां	–	सां
सु	र	वा	s	दि	गं	धा	s	र	सा	s	ध
x		0		2		0		3		4	
									ध		
सां	सां	रें	–	गं	रें	सां	सां	नि	नि	ध	प
स	म	वा	s	दी	s	क	र	नि	खा	s	द
x		0		2		0		3		4	
प	ग	ग	प	प	प	नि	नि	ध	प	ध	प
रा	s	त	स	म	य	प्र	थ	म	प्र	ह	र
x		0		2		0		3		4	
			ध						ग		
सां	सां	नि	नि	म॑	प	प	ग	प	रे	–	सा
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	रि	झा	s	त
x		0		2		0		3		4	

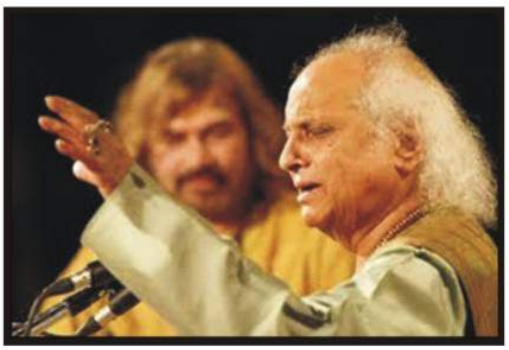

पं. जसराज
मेवाती घराना

गंगू बाई हंगल
किराना घराना

राग – यमन – त्रिताल (16 मात्राएँ)
छोटा ख्याल
स्थायी

सां												मं			
नी	ध	–	प	मं	प	ग	मं	प	–	–	–	प	मं	ग	रे
स	दा	s	शि	व	भ	ज	म	ना	s	s	s	नि	स	दि	न
								मं							
सा	रे	ग	रे	ग	मं	प	ध	प	मं	ग	रे	ग	रे	सा	सा
रि	धि	सि	धि	दा	s	य	क	वि	न	त	स	हा	s	य	क
सा								सां							
नि़	रे	ग	मं	प	ध	नि	सां	रें	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं
ना	s	ह	क	भ	ट	क	त	फि	र	त	अ	न	व	र	त
0				3				x				2			

अन्तरा

ग															
प	ग	प	धप	सां	–	सां	–	नि	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प
शं	s	क	रs	भो	s	ला	s	पा	s	र	व	ती	र	म	ण
सां															
गं	रें	सां	नि	ध	प	नि	ध	प	मं	ग	रे	ग	रे	सा	सा
सि	त	त	न	पं	s	न	ग	भू	s	ष	ण	अ	नु	प	म
								सां							
नि़	रे	ग	मं	प	ध	नि	सां	रें	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं
का	s	हे	न	सु	मि	र	त	भ	ट	क	त	तू	फि	र	त
0				3				x				2			

पं. विनायक राव पटवर्धन
ग्वालियर घराना
पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर के शिष्य

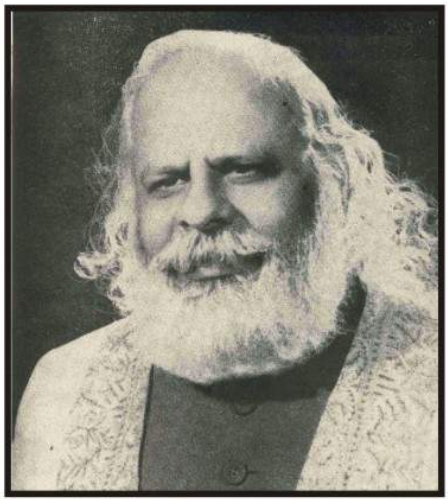

पं. औंकारनाथ ठाकुर
ग्वालियर घराना
पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर के शिष्य

राग – यमन – एक ताल (विलम्बित)
बड़ा ख्याल
स्थायी

नि़	प	नि़ध़	सारे	सा	–	नि़	रे	ग	रे	सा	(सा)
मे	रा	ऽऽ	मन	बा	ऽ	ऽ	ध	ली	नो	रे	ऽ
3		4		x		0		2		0	
			पग								
निनि	प(प)	रे	मंमं	प	प(प)	ग	रे	ध़	नि़	सा	सा
हाँऽ	रऽ	s	इन	जो	गीऽ	या	के	सा	ऽ	ऽ	थ
3		4		x		0		2		0	

अन्तरा

मं				पध	मं	प				नि	
ग	मं	प	ध	निनि	प(प)	मंग	गप	ग	रे	सारे	सा
स	दा	रं	ग	कऽ	रऽ	मऽ	कऽ	रो	ऽ	क्यूँ	ना
3		4		x		0		2			
				पध				ग	सा		
नि	रे	ग	मं	निनि	प	मंग	प	रे	नि	रे	सा
इ	न	प्रा		नऽ	ना	ऽऽ	थ	के	हा	ऽ	थ
3		4		x		0		2		0	

राग – भैरव –झपताल, (मध्य लय)
सरगम गीत
स्थायी

सा	ध	प	प	ध	म	प	म	ग	रे
ग	रे	ग	म	प	म	ग	रे	रे	सा
नि़	सा	रे	रे	सा	ध़	ध़	नि़	सा	–
ग	रे	ग	म	प	म	ग	रे	रे	सा
x		2			0		3		

अन्तरा

प	प	ध	ध	नी	सां	–	ध	नि	सां
ध	ध	नि	सां	रें	सां	नी	ध	ध	प
म	ग	म	प	ध	रें	सां	ध	ध	प
सां	नि	ध	ध	प	म	ग	रे	रे	सा
x		2			0		3		

राग – भैरव – छोटा ख्याल
त्रिताल (मध्य लय)

स्थायी

म		नि				ग		ग				ग			
ग	म	ध	ध	पम	प	म	ग	रे	–	मग	प	रे	–	सा	–
ध	न	ध	न	मूऽ	ऽ	र	त	कृ	ऽ	ष्णऽ	मु	रा	ऽ	री	ऽ
ऩि	ऩि											सा		म	
सा	ध़	–	नि	सा	सा	सा	सा	रे	–	साऽ	–	ऩि	सा	ग	म
सु	ल	ऽ	च्छ	ऽ	न	गि	रि	धा	ऽ	रीऽ	ऽ	छ	बि	सुँ	ऽ
		नि		ध़		नि									
प	प	ध	–	सां	–	ध	प	पध	निसां	सांरें	सांनि	धनि	धप	मग	म
द	र	ला	ऽ	गे	ऽ	अ	ति	प्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री
0				3				X				2			

अन्तरा

म				नि											
प	–	प	प	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	–
बं	ऽ	सी	ऽ	ध	र	म	न	मो	ह	न	सु	हा	ऽ	वे	ऽ
सां	रें											नि			
रें	रें	मं	मं	रें	–	सां	–	सां	सां	रें	सां	ध	–	प	–
ब	लि	ब	लि	जा	ऽ	ऊँ	ऽ	मो	रे	म	न	भा	ऽ	वे	ऽ
म						नि									
ग	म	ग	म	प	ऽ	ध	प	पध	निसां	सांरें	सांनि	धनि	धप	मग	म
स	ब	रं	ग	ज्ञा	ऽ	न	वि	चाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री
0				3				X				2			

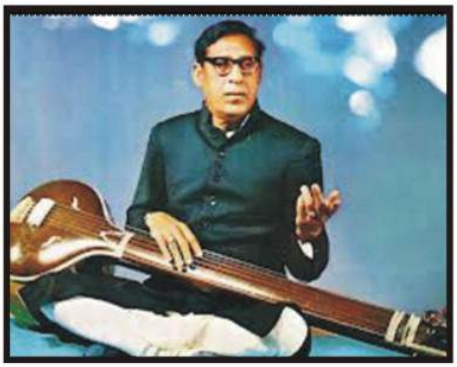

उ. अमीर खां
इंदौर घराने के प्रवर्तक

आफ़ताबे मौसिकी
उ. फैय़ाज खां
आगरा घराना

राग भैरव – बड़ा ख्याल
एक ताल (विलम्बित)
स्थायी

											सा
											बि
				नि							
म	–	गम	पप	ध	–	प	पम	धधपम	प	म	ग
ना	ऽ	ऽऽ	हरि	कौ	ऽ	न	ऽऽ	खऽऽऽ	ऽ	ब	ऽ
3		4		X		0		2		0	
म	नि						ग	म			
रे	ग	म	प	म	–	ग	म(म)	रे	–	सा	सा
र	ऽमो	री	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	त	बि
3		4		X		0		2		0	

अन्तरा

		नि					नि	ग			
प	मप	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें	–	सां	सां
का	ऽऽ	हे	को	सो	ऽ	च	ऽक	रे	ऽ	म	न
3		4		X		0		2		0	
सां		नि		म						नि	
नि	सां	ध	प	प	म	गम	प	प	–	ध	–
मू	ऽ	र	ख	नि	त	ऽऽ	उ	ठि	ऽ	भो	ऽ
3		4		X		0		2		0	
									नि		
–	नि	सां	निसां	रें	–	सां	नि	सां	ध	प	मपधप
ऽ	ज	न	ऽऽ	दें	ऽ	ऽ	ऽ	रें	त	ऽ	ऽऽऽति
3		4		X		0		2		0	
				नि						ग	
म	गम	प	प	ध	–	–	प	मप	प	म	ग
ना	ऽऽ	ह	रि	कौ	ऽ	ऽ	(म)	ऽऽ	ख	ब	र
3		4		X		0		2		0	
रे	ग	प	प								
ऽ	मो	री	ऽ								
3		4									

राग देस – त्रिताल (16 मात्रा)
सरगम गीत
स्थायी

नि	ध	प	म	ग	रे	ग	सा	रे	रे	म	प	नि	नि	सां	ऽ
रें	गं	रें	सां	नि	ध	म	प	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	रे
रे	ग	रे	प	म	ग	रे	सा	सां	रें	सां	नि	ध	प	म	प
2				0				3				X			

अन्तरा

म	ऽ	म	प	ऽ	प	नि	ऽ	नि	सा	ऽ	सां	मं	गं	रें	सां
मं															
रें	पं	मं	गं	सां	रें	नि	सा	नि	नि	सां	रें	सां	नि	ध	प
2				0				3				X			

राग देस – छोटा ख्याल
त्रिताल (मध्य लय, 16 मात्रा)
स्थायी

रे	म	रे	म	–	प	–	ध	(नि)	–	–	प	प	ध	प	–
ह	रि	गु	ण	ऽ	गा	ऽ	य	रे	ऽ	ऽ	तू	ऽ	म	ना	ऽ
–	सां	–	नि	ध	प	म	प	ध	म	–	म	ग	रे	ग	सा
ऽ	का	ऽ	हे	भ	ट	क	त	फि	रे	ऽ	नि	स	दि	ना	ऽ
0				3				X				2			

अन्तरा

म	म	प	–	नि	नि	सां	सां	रेंगं	रेंगं	रें	सां	रें	नि	सां	–
छि	न	भं	ऽ	गु	र	स	ब	जऽ	गऽ	त	प	सा	ऽ	रा	ऽ
निसां	रें	सां	नि	–	ध	म	प	मप	ध	–	म	गे	रे	ग	सा
माऽ	ऽ	या	जा	ऽ	ल	बि	र	थाऽ	ऽ	ऽ	क	ल	प	ना	ऽ
0				3				X				2			

राग देस – बड़ा ख्याल
त्रिताल (विलम्बित)
स्थायी

ग		ग	प	सां		सां	सां	नि	ध			ग			
म	(म)	मरे	मप	नि	सां	निसारें	निनि	धप	प	ध	–म	म	(म)	रे	–
हो	जी	ऽऽ	म्हारी	बे	ऽ	ऽऽऽ	ऽग	सुन	ऽ	ऽ	–ली	जो	(ऽ)	ऽ	ऽ
3				X				2			0				
म	म		प	प											
रे	रे	प	–	मप	मपध	म	रे	ममगरे	ग	–	सानि	सा	–	–	सा
हो	जी	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽ	ऽ	म्हारा	रा	ऽ	ऽ	ज
3				X			2					0			

अन्तरा

प		सां						प		सां					
म	मप	नि	–नि	सां	सां	सां	सां	म	प	नि	सां	निसां	निसांरे	रें	–
क	बऽ	की	ऽमैं	उ	भी	ठा	ड़ी	अ	प	ने	मं	दऽ	रऽऽ	वा	ऽ
3				X				2				0			
सां								सां							
नि	नि	सां	–नि	सां	निसां	सां	–	नि	सां	सां	–	निसांरेंगं	रेंसांनिध	निसांनिध	पधप
अ	र	ज	ऽक	रे	ऽऽ	शां	ऽ	वा	ऽ	लो	ऽ	राऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽज
3				X				2				0			

राग देशकार – सरगम गीत
त्रिताल (मध्य लय)
स्थायी

ग	रे	सा	सा	प	–	ध	प	प	ग	प	ध	प	ध	प	प
प	ग	प	ध	सां	–	ध	प	ग	प	ध	प	ग	रे	सा	–
3				X				2				0			

अन्तरा

प	ग	प	ध	सां	–	रें	सां	सां	ध	सां	रें	सां	रें	सां	ध
गं	रें	सां	रें	सां	सां	ध	प	ग	प	ध	प	ग	रे	सा	–
3				X				2				0			

राग देशकार – लक्षण गीत

एक ताल (मध्यलय)

स्थायी

प						प					
ध	–	प	ध	ध	प	ग	–	प	ग	रे	सा
प्रा	ऽ	त	स	म	य	दे	ऽ	श	का	ऽ	र
						प		प			
सा	–	ध़	सा	सा	रे	ग	प	ग	प	ऽ	प
रा	ऽ	ग	क	ह	त	गु	नि	वि	चा	ऽ	र
ग											
प	ग	प	प	ध	ध	सा	ध	सां	सां	रें	सां
ओ	ऽ	डु	व	म	नि	त	ज	सु	ध	सु	र
सां	रें	सां	–	ध	प	ध	प	ग	रे	सा	–
X		0		2		0		3		4	

अन्तरा

ग											
प	ग	प	प	ध	ध	सां	–	सां	सां	सां	सां
धै	ऽ	व	त	सु	र	वा	ऽ	दि	क	र	त
										प	
सां	ध	सां	सां	सां	रें	सां	रें	सां	ध	ध	प
स	ह	च	र	गं	ध	धा	ऽ	र	र	ह	त
प	ध	ग	ग	प	ध	सां	–	सां	रें	सां	सां
गं	रें	सां	रें	सां	ध	सां	ध	प	ग	रे	सा
X		0		2		0		3		4	

विदुषी गिरिजा देवी
प्रख्यात ख्याल व ठुमरी गायिका

पं. राजन साजन मिश्र
बनारस घराना

राग देशकार – छोटा ख्याल
त्रिताल – मध्यलय
स्थायी

															ध
															ते
ध	प	–	ग	प	ध	सां	सां	सां	–	सां	रें	सां	–	ध	प
ऽ	रे	ऽ	प	द	पं	ऽ	क	ज	ऽ	श	र	ण	ऽ	ग	त
प			प					प							सां
ग	प	ध	ध	सां	–	ध	प	ग	प	ध	प	ग	रे	सा	सां
वि	प	त	बि	दा	ऽ	र	ण	च	तु	र	गो	बिं	ऽ	द	ते
3				ग				2				0			

अन्तरा

															प
															ग
	सां							सां							तू
प	ध	सां	सां	सां	सां	रें	सां	ध	–	सां	रें	सां	–	ध	प
ऽ	ही	ऽ	ज	ग	त	प	ति	तू	ऽ	प	र	मा	ऽ	त	म
प			सां			सां									सां
गं	रें	सां	रें	सां	–	ध	प	ग	प	ध	प	ग	रे	सा	सा
तू	ऽ	हि	चि	दा	ऽ	न	द	तू	ऽ	हि	अ	नं	ऽ	त	ते
3				X				2				0			

राग – बागेश्री – सरगम गीत
एक ताल – (मात्रा 12, मध्यलय)
स्थायी

म	ग	रे	सा	नि	सा	ध़	नि	सा	–	म	ग
म	ध	नि	सां	नि़ं	ध	म	ध़	नि	ध	म	ग
म	ग	म	ध	नि	सां	–	ध	नि	सां	रें	सा
सां	रें	सां	नि	ध	म	ध	म	ग	ग	रे	सा
X		0		2		0		3		4	

अन्तरा

म	ग	म	ध	नि	सां	–	ध	नि	सां	रें	सां
नि	सां	मं	गं	रें	सां	नि	सां	रें	सां	नि	ध
म	ध	सां	नि	ध	म	ध	म	ग	ग	रे	सा
सां	रें	सां	नि	ध	नि	ध	म	ग	ग	रे	सा
X		0		2		0		3		4	

राग बागेश्री – छोटा ख्याल
त्रिताल (मध्य लय)
स्थायी

ध								म							
सां	–	नि	नि	ध	म	प	ध	ग	ग	रे	सा	रे	रे	सा	–
कौ	ऽ	न	क	र	त	तो	रि	बि	न	ति	पि	य	र	वा	ऽ
0				3				X				2			
–	सां	नि	नि	ध	म	प	प	ग	ग	रे	सा	रे	रे	सा	–
कौ	ऽ	न	क	र	त	तो	रि	बि	न	ति	पि	य	र	वा	ऽ
0				3				X				2			
	ध												म		
	नि़	–	ध़	नि़	सा	–	सा	म	ध	पध	नि	ध	ग	–	रेसा
ऽ	मा	ऽ	नो	न	मा	ऽ	नो	ह	म	रीऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	तऽ
0				3				X				2			

अन्तरा

		नि						सां				सां			
ग	म	ध	नि	सां	–	सां	सां	नि	सां	रें	सां	नि	सां	नि	ध
ज	ब	सें	ग	ये	ऽ	मो	रि	सु	ध	हु	न	ली	ऽ	नी	ऽ
0				3				X				2			
	नि							म			ग				
–	ध	–	ध	नि	–	ध	ध	ग	–	–	म	ग	रे	–	सा
ऽ	चा	ऽ	हे	सौ	ऽ	त	न	के	ऽ	ऽ	ध	र	जा	ऽ	त
0				3				X				2			
	सां	नि	नि												
ऽ	कौ	न	क												
0															

डॉ. प्रभा अत्रे
किराना घराना

बेगम परवीन सुल्ताना
पटियाला घराना

राग बागेश्री – बड़ा ख्याल
एकताल (विलम्बित)
स्थायी

ध			प				ध		प	प	
सां	नि	धनि	धध	सां	–	नि	नि	ध	ध	म	ग
मो	ऽ	ऽऽ	हेम	ना	ऽ	ऽ	व	न	आ	ऽ	ऽ
3		4		X		0		2		0	
म	ग	रे	सा	रे	सा	नि़	ध़	सा	सा	सा	–
ऽ	ये	हो	ऽ	स	ग	री	ऽ	र	ति	या	ऽ
3		4		X		0		2		0	
सा		सा		सा		ध	प				
नि	सा	म	ग	म	ध	नि	ध	म	ग	मग	रेसा
किं	न	सौ	ऽ	त	न	ध	र	जा	ऽ	ऽऽ	गेऽ
3		4		X		0		2		0	

अन्तरा

		ध	सां						मं	सां	
ग	म	निध	नि	सां	–	सां	निसां	रें	गं	रें	सां
ते	ऽ	तोऽ	ऽरं	गी	ऽ	ले	ऽऽ	छ	बि	दि	ख
3		4		X		0		2		0	
सां											
निसां	सां	नि	ध	ग	म	ध	नि	सां	मंगं	रें	सां
लाऽ	ऽ	ये	ऽ	ला	ऽ	ल	न	के	ऽऽ	म	न
3		4		X		0		2		0	
सां				ध	नि		प			ग	
रें	सां	नि	ध	म	ध	नि	ध	म	ग	मग	रेसा
ल	ल	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽवे
3		4		X		0		2		0	

प्रस्तुत अध्याय में विद्यार्थियों हेतु घरानेदार प्रख्यात संगीतज्ञों के चित्र दिये गए है जो सांगीतिक ज्ञानवर्धन तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लोक गीत – धरती धोरां री

– रचनाकार : कन्हैयालाल सेठिया

आ तो सुरगा नै सरमावै, ई पर देव रमण नै आवे, ई रो जस नर नारी गावै, धरती धोरा री।
सूरज कण कण ने चमकावै, चन्दो इमरत रस बरसावै, तारा निछरावल कर ज्यावै, धरती धोरा री।

काला बादलिया घहरावै, बिरखा घूघरिया घमकावै, बिजली डरती ओला खावै, धरती धोरा री।
लुळ लुळ बाजरिया लैहरावै, मक्की झालो देर बुलावै, कुदरत दोन्यूं हाथ लुटावै, धरती धोरा री।

पंछी मधरा मधरा बोलै, मिसरी मीठै सुर स्यूं घोलै, झीणूं बादरियो पपोळे, धरती धोरा री।
नारा नागौरी हिद ताता, मदुआ उंट अणूंता खाथा, ई रे घोड़ा के बाता, धरती धोरा री।

ई रा फल फुलडा मन भावण, ई रै धीणो आंगणा आंगण, बाजै सगळा स्यूं बड़ भागण, धरती धोरा री।
ई रो चित्तौड़ो गढ़ लूंठो, ओ तो रण वीरां रो खूंटो, ई रे जोधाणूं नौ कुंटो, धरती धोरा री।

आबू आभै रै परवाणै, लूणी गंगाजी ही जाणै, उभो जयसलमेर सिंवाणै, धरती धोरा री।
ई रो बीकणूं गरबीलो, ई रो अलवर जबर हठीलो, ई रो अजयमेर भड़कीलो, धरती धोरा री।

जैपर नगर्यां में पटराणी, कोटा बूंदी कद अणजाणी, चम्बल कैवे आं री कहाणी, धरती धोरा री।
कोनी नांव भरतपुर छोटो, घूम्यो सुरजमल रो घोटो, खाई मात फिरंगी मोटो, धरती धोरा री।

ईं स्यूं नहीं माळवो न्यारो, मोबी हरियाणों है प्यारो, मिलतो तीन्या रो उणयारो, धरती धोरा री।
ईडर पालनपुर है ई रा, सागी जामण जाया बीरां, औ तो टुकड़ा मरु रै जी रा, धरती धोरा री।

सौरठ बंध्यो सोरठां लारै, भेळप सिंध आप हंकारै, मूमल बिसयां हेत चितारै, धरती धोरा री।
ई पर तनड़ो मनड़ो वारां, ई पर जीवण प्राण उवारां, ई री धजा उडै गिगनारां, धरती धोरा री।

ई नै मोत्या थाल बधावां, ई री धूल लिलाड़ लगावां, ई रो मोटो भाग सरावां, धरती धोरा री।
ई रै सत री आण निभावां ईं रै पत नै नहीं लजावां, ईं नै माथो भेंट चढ़ावां, भायड़ कोड़ा रीं

धरती धोरां री।

राष्ट्रभक्ति गीत

आ ग़ैरियत

आ ग़ैरियत के पर्दे एक बार फिर उठा दे
बिछुड़ो को फिर मिला दें, नक्शे दोई मिटा दें।

सूनी पड़ी हुई है, मुद्दत से दिल की बस्ती
आ एक नया शिवाला इस देश में बना दें।

दुनिया के तीरथों से उंचा हो अपना तीरथ
दामन ए आसमां से इसका कलश मिला दें।

हर सुबह उठ के गायें मंतर वो मीठे मीठे
सारे पुजारियों को मय प्रीत की पिला दें।

– कवि : मोहम्मद इकबाल

प्रयाण गीत

हम दिवानों की

हम दिवानों की क्या हस्ती, है आज यहां, कल वहां चले
मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते वहां चले
आए बनकर उल्लास अभी, आंसू बनकर बह चले अभी
सब कहते ही रह गये अरे, तुम कैसे आए कहां चले
अब अपना और पराया क्या, आबाद रहें रुकने वाले
हम स्वयं बंधे थे, औ स्वयम् हम अपने बंधन तोड़ चले।

– कवि : भगवती चरण वर्मा